ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन

A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

खंड 28 संख्या 1 मुंबई जनवरी-मार्च 2011

1. अनुसंधान

क्रोकर की अच्छी पकड

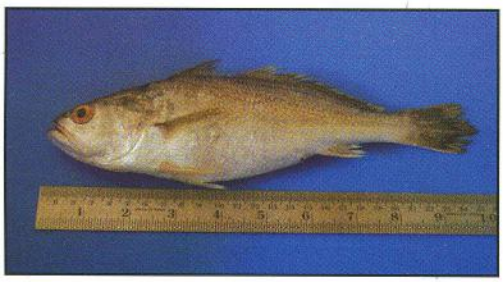

350 कि ग्रा क्रोकर [ओटोलिथस कुवियेरी ट्रेवावस, 1974] की अच्छी पकड जनवरी 2011 के दौरान 54 मी गहराई मे कृष्णपटणम से दूर एकल हॉल में पकडी गई । मछली का आकार 38 एवं 42 से मी के आसपास रहा । ओटोलिथस कुवियेरी ट्रॉलरों में पकडी गई प्रमुख साइनिड प्रजाति है । प्रजाति 17 से. मी आकार में परिपक्व होती है तथा स्पष्ट रुप से पकड में केवल परिपक्व नमूने को प्रतिनिधत्व करता है । संभवत: एक अंडजनन समुच्चय ।

जैसे 'ड्रम' या ''क्रोकर'' के नाम से सूचित ये मछलियॉ नर को आकर्षित करने हेतु समूह में संकेत ध्वनी उत्पन्न करती है । यह ध्वनि निष्क्रिय ध्वनिक तकनीक का प्रयोग कर आसानी से सुन सकते है, जिससे जीव वैज्ञानिक हाइड्रोफोन के साथ अंडजनन समुच्चय का पता लगाते है। जबकि यह विशेषता मत्स्य के सुभेद्यता को जोडते हैं, यह अंडजनन समुच्चय से बचने के लिए प्रयोग किया जा सकता है । इस क्षेत्र में गहरे अध्ययन की आवश्यकता है ।

[श्री जी. वी. ए. प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स.चेन्नई द्वारा संसूचित]

कैट फिश की बम्पर पकड

जलयान मत्स्य निरीक्षणी अपने संसाधन सर्वेक्षण के दौरान 28 मार्च 2011 को केट फिश अरियस थलसिनस [रप्पेल, 1837] का लगभग 3 टन भारी हॉल दर्ज किया गया । यह पकड सुबह दिन का प्रथम हॉल में प्राप्त हुई जबकि जलयान, अक्षांश 18° 22.6 उ देशांतर 72° 29.3 पू के 54-55 मी गहराई में प्रचालित कर रहा था जहॉ तल कवच मछली के साथ कीचड से भरा था ।

मछली की लम्बाई 27.5 से 38 से मी के बीच रही। भारत के उत्तर पश्चिमी तट के समीप अरियस थलसिनस 31 से मी में परिपक्व होने की रिपोर्ट की हैं। अत: पकडी गई अधिकांश मछलियॉ किशोर थी। अधिकांश मछलियों को सक्रिया रुप से चारा खिलाया गया था। और आंत्र-अन्तर्वस्तु से छोटे द्विकपाटी कवच की प्रमुखता प्रकट हुआ। हॉल में, हॉर्स मैकरेल, स्क्विड, इन्डियन मैकरेल, केरन्जिड, सीर फिश एवं रिब्बन फिश छोटी मात्रा में पकडी गई।

[श्री डी. ई. उइके, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा.स, मुम्बई द्वारा संसूचित]

तमिलनाडु से दूर व्हेल शार्क की प्राप्ति

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का चेन्नई बेस का सर्वेक्षण जलयान एम वी समुद्रिका अपने जनवरी 2011 क्रूस के दौरान तमिलनाडु से दूर [क्षेत्र 14°उ/80° पू, 26.6 मी गहराई में] दो व्हेल शार्क का अवलोकन रिपोर्ट की है। भारत के पूर्वी तट तटवर्ती जल के समीप व्हेल शार्क की प्राप्ति बिरले ही रिपोर्ट की है । [पीटर, 1941] व्हेल शार्क की उपस्थिति साधारणतया शैवाल एवं प्राणिप्लवक के प्रचुरता के साथ संबंधित है । तमिलनाडु से यह सुरक्षित प्रजाति की उपलब्धि की कारण, आगे विस्तृत अध्ययन द्वारा ही समझ सकता है।

[श्री जी. वी. ए. प्रसाद, व. वैज्ञानिक सहायक, भा.मा.स. चेन्नई द्वारा संसूचित]

II बहिर्गमन और प्रशिक्षण

क) दक्षिण आन्ध्र प्रदेश तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला निज़ामपटनम में 18 मार्च 2011 को

संचालित की गई। यह कार्यशाला राज्य मात्स्यिकी विभाग, आन्ध्र प्रदेश सरकार के साथ संयुक्त रुप से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम फिशिंग हारबार, निज़ामपटनम, में आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि श्री एम. हरिनाथ बाबु, ग्राम सरंपच, नि. जामपटनम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। श्री श्रीवास राव, अध्यक्ष, बोट मालिक संघ, निज़ामपटनम ने निज़ामपटनम में कार्यशाला आयोजित करने हेतु भा. मा.स. द्वारा किए गए प्रयास की सराहना की एवं मछुआरों को टूना लॉग लाइनिंग पर प्रशिक्षण देने के लिए अनुरोध किया।

डॉ. ए. एनरोस, क्षेत्रीय निदेक्षक ने अपने मूलसूचक संबोधन में भारतीय समुद्री मात्स्यिकी का परिदृश्य प्रस्तुत किया एवं तटीय मात्स्यिकी संसाधनों के अति मत्स्यन के संबंध में बताया। इस समस्या को पार करने के लिए उन्होनें मत्स्यन विधियों में विविधता लाने एवं टूना बिल फिश आदि महासागरीय संसाधनों के शोषण करने का सुझाव दिया। उन्होनें अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करने हेतु मौसमी संसाधनों के पैदावर के लिए जलयान में मल्टी गियर होने का सुझाव भी दिया। श्री बसव राजू, उप निदेशक, मात्स्यिकी विभाग ने धन्यवाद प्रस्ताव किया।

ख) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस, मात्स्यिकी विभाग, अन्डमान एवं निकोबार, प्रशासन एवं सरकारी सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, हेवलोक के साथ संयुक्त रुप से जलयान एम एफ वी ब्लू मार्लिन पर एक [खुला मंच] ओपन हाऊस 6 जनवरी 2011 को संचालित किया गया। यह ओपन हाऊस छात्रों, स्थानीय मछुआरे एवं जनता, छात्रों, मछुआरों, अधिकारियों एवं आगन्तुकों के हित के लिए आयोजित किया गया और उनको जैव विविधता के संबंध में सूचना प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, मात्स्यिकी विभाग एवं अन्य सरकारी विभाग के अधीन जैव विविधता पर पोस्टर निदेशक का कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, जेट्टी गेट, अवतरण केन्द्र, मत्स्य बाज़ार में विस्तृत प्रचार हेतु प्रदर्शित किए गए ।

ग) चेन्नई बेस द्वारा एक दिवसीय [खुला मंच] ओपन हाऊस 11 मार्च 2011 को सेंट जॉसफ हाई स्कूल पुलिकाट में संचालित किया गया। स्कूल के छात्रों, स्नातक छात्रों, मछुआरे एवं लोक सहित लगभग 1400 आगन्तुकों ने दौरा किया एवं भा. मा. स. के समुद्री मात्स्यिकी एवं कार्यकलापों पर अभिज्ञता प्राप्त किए।

घ) चेन्नई बेस ने चेन्नई ट्रेड सेंटर, चेन्नई में 6-8 फरवरी 2011 के दौरान ''अक्वा अक्वेरिया इन्डिया 2011'' प्रदर्शनी में भाग लिया।

ङ) भा. मा. स. का कोच्चिन बेस ने मात्स्यिकी विभाग, केरल सरकार द्वारा 24-28 फरवरी 2011 के दौरान तिरुवनन्तपुरम मे ''मत्स्य उत्सव 2011'' में भाग लिया। भा. मा. स. स्टॉल में अनेक मछली नमूने, चार्ट, मॉडल आदि प्रदर्शित किए गए।

च) एन एफ डी बी, हैदराबाद की वित्तीय सहायता के साथ टूना लॉग लाइन मत्स्यन के नवीनतम प्रौद्योगिकी पर जलयान मत्स्य दृष्टि पर प्रशिक्षण अपने जनवरी एवं मार्च 2011 समुद्री यात्रा के दौरान उरर, कुप्पम, अलकाट्ट कुप्पम एवं पवर कुप्पम, चेन्नई के मछुआरों को दिया गया।

छ) समुद्री अभियांत्रिकी में डिप्लोमा, सेन्ट्रल पॉलिटेकनिक कॉलेज, तारामणी, चेन्नई के 11 छात्रों ने भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, चेन्नई में जलयान रखरखाव एवं मरम्मत कार्यो पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ज) एम एस सी प्राणी विज्ञान, शिया स्नातकोन्तर कॉलेज, लखनऊ, यू पी के तीस छात्र एवं बी एस सी प्राणिविज्ञान, क्वेड-इ-मिल्लत सरकारी महिला आर्ट कॉलेज, अन्ना सालै, चेन्नई के साठ छात्र संकाय सदस्यों के साथ मार्च 2011 के दौरान चेन्नई बेस का दौरा किया। बेस के वैज्ञानिकें द्वारा मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण विधियों, भा. मा. स. के कार्यकलापों एवं भारत के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना संक्षिप्त रुप में प्रदान की गई।

III वार्षिक रोसा बैठक

प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों की वार्षिक समीक्षा [रोसा] भा. मा. स. का मार्मुगोवा बेस में 23-24 फरवरी 2011 के दौरान संपन्न हुई। डॉ. के विजयकुमारन, महानिदेशक, भा. मा. स. ने बैठक की अध्यक्षता की। प्रत्येक बेस के प्रभारी अधिकारी, यांत्रिक/सेवा अभियंता के साथ उपर्युक्त बैठक में भाग लिया। जलयानों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक निष्पादन की समीक्षा की गई तथा जलयानों का समस्त निष्पादन अच्छा रहा। कुछ जलयानों के दीर्घ कालीन शुष्क गोदीकरण मरम्मतें से कुछ क्षेत्रों में आवधिक ऑकडा संग्रहण प्रभावित हुआ है, आगामी माहों में इसे पार करने की आवश्यकता है।

बैठक के दौरान मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में समस्याओं एवं बाधाओं की चर्चा की गई। प्रत्येक बेस कार्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए वैज्ञानिक गतिविधियों की समीक्षा की गई एवं वैज्ञानिक अनुसंधान में कमियों को पार करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक उपायों की चर्चा की गई। सदस्यों ने कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित विविध प्रशासनिक एवं लेखा मामलों की चर्चा भी की।

बैठक में 2011-12 के मात्स्यिकी सर्वेक्षण कार्यक्रम का प्रारुप को अंतिम रुप दिया एवं वैज्ञानिक अभिविन्यास के साथ कार्यक्रम को सक्रिय रुप से कार्यान्वित करने का निर्णय लिया। डॉ. पॉल पान्डियन, उप आयुक्त [मा.] कृषि मंत्रालय ने बारहवी पंच वर्ष योजना का दृश्य एवं भा. मा. स. की भूमिका पर मंत्रालय का परिदृश्य प्रस्तुत किया। महानिदेशक ने आश्वासन

दिया है कि उप आयुक्त [मा.] द्वारा आगे प्रस्तुत टिप्पणियों एवं सुझावों को कार्यान्वयन हेतु ध्यान रखा जाएगा ।

IV बॉबलम परियोजना की टी डी ए परामर्श कार्यशाला

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने बंगाल की खाडी दीर्घ समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र [बॉबलम] की सीमापार नैदानिक विश्लेषण परामर्श कार्यशाला [टी डी ए- सी डब्ल्यू एस] मेगापोड नेस्ट, पोर्ट ब्लेयर में 24 जनवरी को आयोजित की। मात्स्यिकी विभाग, अंडमान एवं निकोबार के सहयोग से आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में बॉबलम परियोजना द्वारा संकेतित प्रमुख सीमापार मामलों की समीक्षा की गई। कार्यशाला में पणधारियों के समूह, जिसमें अंडमान एवं निकोबार, प्रशासन, भारतीय तट रक्षक एवं केरी के वरिष्ठ अधिकारियों तथा मछुआरों के प्रतिनिधियाँ, एन जी ओ, व्यापारियों एवं पर्यावरणविद् सम्मिलित ने भाग लिया।

बंगाल की खाडी दीर्घ समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र [बॉबलम] परियोजना की एक सीमापार नैदानिक विश्लेषण परामर्श कार्यशाला [टी डी ए -सी डब्ल्यू एस] 7 फरवरी 2011 को पुदुच्चेरी में डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक, भा.मा.स. एवं राष्ट्रीय समन्वयक, बॉबलम परियोजना ने कार्यशाला का समन्वयन किया, जिसमें तमिलनाडु एवं पुदुच्चेरी के पणधारी उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्घाटन तिर के सेल्लामुथु, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त एवं तमिलनाडु सरकार द्वारा किया गया । सत्र की अध्यक्षता श्री मैथ्यू सामुअल आई ए एस, विशेष सचिव, मात्स्यिकी एवं उद्योग, पुदुच्चेरी सरकार ने की। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता तिरमति जी रामलक्ष्मी, निदेशक, मात्स्यिकी विभाग एवं मछुआरा कल्याण, पुदुच्चेरी सरकार ने की।

V परामर्शक समिति की बैठक

भा. मा. स. का चेन्नई बेस द्वारा परामर्शक समिति की बैठक 22 मार्च 2011 को चेन्नई बेस मे संपन्न हुई । श्री के. चेल्लामुथु, आई ए एस, मात्स्यिकी आयुक्त, तमिलनाडु सरकार ने बैठक की अध्यक्षता की एवं चेन्नई बेस के प्रस्तावित सर्वेक्षण कार्यक्रम परामर्शक समिति द्वारा अनुमोदन किया ।

VI राजभाषा कार्यान्वयन

हिन्दी कार्यशाला

1. एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला हिन्दी शिक्षण योजना, नवी मुम्बई के साथ भा. मा. स., मुम्बई [मुख्यालय] के अधिकारियों के लिए 4 फरवरी 2011 को आयोजित की गई। डॉ. सुनीता यादव, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षक योजना ने हिन्दी टिप्पणी पर व्याख्यान दिया। टिप्पणी का उद्देश्य हिन्दी टिप्पणी लिखते समय हो रही कठिनाइयों को दूर करना था। कार्यशाला में ग्यारह कर्मचारियों ने सक्रिय रुप से भाग लिया।
2. राजभाषा कार्यान्वयन पर हिन्दी कार्यशाला 2 फरवरी 2011 को भा. मा. स. का मार्मुगोवा बेस में आयोजित की गई। श्री राजेन्द सिंह, हिन्दी अधिकारी, मार्मुगोवा पोर्ट ट्रस्ट, मार्मुगोवा, डॉ. राकेश शर्मा, हिन्दी अधिकारी, एन आई ओ, डोना पाऊला, गोवा, श्री आर सी मेहतो, सहायक निदेशक [रा.भा.], सेन्ट्रल एक्साइस, पंजिम और श्री इनियाज़ अली, पर्यवेक्षक [रा.भा.], एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाबोलिक, गोवा को इस अवसर पर विदग्ध व्यक्तियों के रुप में आमंत्रित किए गए।
3. भा. मा. स. का कोच्चि बेस द्वारा मार्च 2011 के दौरान हिन्दी गृह पत्रिका 'मत्स्य ध्वनि' का प्रकाशन किया।
4. भा. मा. स. का कोच्चि बेस में 20 जनवरी 2011 को एक हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई।

VII प्रशिक्षणों / संगोष्ठियों / परिसंवाद / बैठकों / सम्मेलनों में सहभागिता

* डॉ. ए. एनरोस, क्षेत्रीय निदेशक ने बॉबलम परियोजना की नीति प्रलेख सत्यापन बैठक में 27 और 28 जनवरी 2011 को हॉटल शेल्टर, चेन्नई में भाग लिया ।
* श्री एस. एम. पाटील, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 12 जनवरी 2011 को आकाशवाणी केन्द्र,मुम्बई में कृषि वाणी बैठक में भाग लिया ।
* श्री अशोक कदम, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एस. के. द्विवेदी, व. वैज्ञानिक सहायक एवं श्री हितेश पाटील, व. अनुसंधान छात्र ने एन ए आई पी परियोजना के अधीन सी एम एफ आर आई, कोच्चि द्वारा स्टॉक निर्धारण पर 7-11 मार्च 2011 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
* डॉ. ए. के. भार्गव, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सरकारी लेखा एवं वित्त संस्था, चेन्नई में 14-15 मार्च 2011 के दौरान आर टी आई अधिनियम पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण में भाग लिया ।

* श्री डी. एम. अली, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने एम्पीडा, एरणाकुलम में टूना लॉग लाइन एवं फिश होल्ड सब्सिडी स्कीम पर विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।
* श्री विशाल के खरात, एल.डी.सी/हिन्दी टंकक ने पश्चिम रेल्वे मुख्यालय, चर्चगेट, मुम्बई में 17 मार्च 2011 को एक दिवसीय कम्प्यूटर पर यूनिकाड प्रशिक्षण मे भाग लिया ।

VIII महानिदेशक की बैठकों/संगोष्ठियों में सहभागिता:

डॉ. के. विजयकुमारन, महानिदेशक, भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने निम्नलिखित कार्यक्रमों में भाग लिया ।

* एन आई ओ टी, चेन्नई में 4 जनवरी 2011 को एन एन आर एम एस एस सी-ओ एम बैठक में ।
* संयुक्त सचिव [मात्स्यिकी] द्वारा 12 जनवरी 2011 को नई दिल्ली में कोफी सत्र की कार्य सूची के सामने मामलो पर चर्चा करने हेतु संयाजित बैठक में ।
* कृषि विभाग सम्मेलन कक्ष, सचिवालय, चेन्नई में 8 फरवरी 2011 को होने वाली भारत-श्रीलंका मात्स्यिकी सहकारिता पर अंतर-मंत्रालय की बैठक मे ।
* कृषि मंत्रालय, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली के 14 फरवरी 2011 को अंतर-मंत्रालय सशक्त समिति की बैठक में ।
* नैरोबी, केन्या में 16-18 फरवरी 2011 के दौरान आबंटन मानक पर आई ओ टी सी विशेष बैठक
* प्रचालन एवं वैज्ञानिक गतिविधियों पर वार्षिक समीक्षा [रोसा] बैठक, भा.मा.स. का मार्मुगोवा बेस में 23-24 फरवरी 2011 को
* आइविन परियोजना की प्रगति की समीक्षा एवं सहयोगी कार्यक्रम के संबंध में चर्चा 25 फरवरी 2011 को एन आई ओ में
* भा.मा.स. का पोरबन्दर बेस का पुन:सक्रियण/समापन पर चर्चा करने हेतु 1 मार्च 2011 को समिति बैठक
* अनुपालन समिति की आई ओ टी सी बैठक कोलंबों में 14-16 मार्च 2011 को
* एन ए आई पी परियोजना की सहायता सलाहकारी समिति की बैठक, सी एम एफ आई कोच्चि में

IX शैक्षिक उपलब्धियाँ

श्री एम. विनोद कुमार, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा. मा. स. मुम्बई [मुख्यालय] को 'उत्तर पश्चिम भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में प्राप्त होने वाली तटीय टूना के जीव विज्ञान एवं उपयोग, मात्स्यिकी की गतिकी' शीर्षक पर उनके शोध प्रबंध हेतु मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 21 फरवरी 2011 को

प्राणी विज्ञान में पी एच डी उपाधि प्रदान की गई। वे डॉ. वी. एस. सोमवंशी, पूर्व महानिदेशक, भा. मा. स. के मार्गदर्शन में कार्य किए ।

श्री एस. के. द्विवेदी, व. वैज्ञानिक सहायक, भा. मा. स., मुम्बई [मुख्यालय] को 'भारत के उत्तर पश्चिमी तट के समीप प्राप्त होने वाली समुद्री कैट फिश के जीव विज्ञान एवं स्टॉक निर्धारण पर अध्ययन' शीर्षक पर उनके शोध प्रबंध हेतु मुम्बई विश्वविद्यालय द्वारा 10 मार्च 2011 को प्राणी विज्ञान में पी एच डी उपाधि प्रदान की गई। श्री एस. के. द्विवेदी ने डॉ. वी. एस. सोमवंशी, पूर्व महानिदेशक, भा. मा. स. के मार्गदर्शन में कार्य किया ।

X प्रशासनिक समाचार:

अ. नियुक्तियाँ /स्थानान्तरण/पदोन्नतियाँ

1. श्री पी. अहमदजन, नेटमेंडर, मार्मुगोवा बेस को चेन्नई बेस सें स्थानांतरित किया गया ।
2. श्री टी. के. सुरेश, व. नाविक, मार्मुगोवा बेस को कोच्चिन बेस में स्थानांतरित किया गया ।
3. श्री जे. राज, व. नाविक, कोच्चिन बेस को पोर्ट ब्लेयर बेस में स्थानांतरित किया गया ।
4. श्रीमती आर. मालती को हिन्दी टंकक [एल डी सी] के पद मे 20 जनवरी 2011 को कोच्चिन बेस में नियुक्त किया गया ।
5. श्री जोश अशोकन सी को अधीक्षक [पी एस सी] के पद में 24 फरवरी 2011 से नियुक्त किया गया ।

सेवानिवृत्तियाँ

1. श्री डी. कृष्ण कुमार, आशुलिपिक ग्रेड-III, चेन्नई बेस, दिनांक 31 जनवरी 2010 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
2. डॉ. एम. ई. जॉन, क्षेत्रीय निदेशक, मार्मुगोवा बेस, 28 फरवरी 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
3. श्री एम. चेल्लप्पा, व. नाविक, कोच्चिन बेस, 31 मार्च 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
4. श्री वी. के. धुमल, व. नाविक, मार्मुगोवा बेस, 31 मार्च 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।
5. श्री के. के. जोस, मेकैनिक, कोच्चिन बेस 31 मार्च 2011 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए ।

संकलनकर्ता : कुमारी राजश्री बी सनदी, संपादक: डॉ. एम के सजीवन, हिन्दी अनुवादक: मीरा वेल्लेन राजीव,
प्रकाशक: महानिदेशक: भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, बोटावाला चेम्बर्स, सर पी एम रोड, मुम्बई-400 001,
तार: मीना वेबसाईट:htttp:/fsi.gov.in फैक्स: (022) 22702270. दूरभाषा: 22617144/45 मुद्रक: ऑनलूकर प्रेस, मुम्बई. दूरभाषा 022-22182939/3544